कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदापूर

हिंदी विभाग

एक दिवसीय कार्यशाला 'हिंदी साहित्य विधाये' **दि.05/03/2018**

5 मार्च 2018 के दिन हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी साहित्य विधाये' इस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि डॉ. पद्मजा घोरपडे उपस्थित रही। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में भूगोल विभाग प्रमुख प्रा. बारवकर सर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का प्रास्ताविक हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. पवार मॅडम ने किया। अतिथि मंतव्य में डॉ. घोरपडेजी ने हिंदी के क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर के बारे में जानकारी दी। छात्र जीवन में साहित्य का महत्व गद्य, पद्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवन को सुंदर बनाना है, तो साहित्य और भाषा सीखना जरुरी है। हिंदी भाषा का अध्ययन करते हुए उसका व्याकरण, वर्तनी के नियम अपवाद मालूम होना चाहिये। मनुष्य ने अपने आपको कार्यरत रखना चाहिये। अध्ययन से मस्तीष्क को खाद देना जरुरी है। हिंदी भाषा मे अनुवाद क्षेत्र में अनुवादक, पत्रकारिता प्रकाश के रूप मे रोजगार उपलब्ध है। इस क्षेत्र में अगर हमे अपना करिअर बनाना है, तो हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं पर भी हमारा प्रभूत्व होना कितना जरुरी है। इस बात को मॅडमजी ने विभिन्न उदा. के जरिए छात्रो को बताया। साथ ही साथ केंद्रिय हिंदी निदेश मे भारत सरकार द्वारा चलाई जाने वाली कार्य प्रणाली नवलेखन के शिबिर के बारे में भी उन्होने अच्छी जानकारी दी। छात्रों को अपने आपको विकसित करने के लिए किस प्रकार रोजगार के विभिन्न मार्ग हमारे सामने उपलब्ध है, उनकी विस्तृत जानकारी देकर स्वयं को सिद्ध करना है, तो मेहनत जरुरी है। इस प्रकार उन्होने छात्रों को मार्गदर्शन किया। इसके साथ-साथ बारामती की कार्यशाला में सक्रिय सहभाग हेतु मिले छात्रों को प्रमाणपत्र का वितरण करके उनका सन्मान प्रमुख अतिथि के द्वारा किया गया। अध्यक्षीय भाषण मे बारवकर सर जी ने छात्रों को लेखन वाचन के प्रति हमे सजग रहना कितना महत्त्वपूर्ण है यह बताया।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन चव्हाण सर ने किया तथा सूत्रसंचालन प्रा. वाघ मॅडम ने किया।

डॉ.एस.एन.पवार
हिंदी विभाग प्रमुख
कला विज्ञान आणि वाणिज्य महाविद्यालय
इंदापूर,जि.पुणे. 413106